Watershed
empowering citizens

IRC

पृष्टभूमि

वाटर शेड परियोजना का उद्देश्य ग्राम पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर के नागर समाज संगठनों कि छमता को बढ़ाना है ताकि जल और स्वछता सेवाओं की सतत योजना निर्माण में उन्हें सहायता कर इन संघटनो की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

संकट

सब के लिए सतत जलापूर्ति और स्वक्छता सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय नियोजन क्रांति महत्व का विषय है। आधारभूत संरचना पर होने वाली एकमुश्त लागत के अलावा वित्तीय नियोजन के अन्तर्गत परियों के सकल जीवन चक्र की लागतों का आकलन करना चाहिए। इन समान्य अनुरक्षण , अनुरक्षण से संबंध विरहत्य कार्य या प्रतिस्थापन और नियोजन और निगरानी के लिए नियमित सहायता आदि पर होने वाली लागते हैं।

अनुरक्षण (लघु एवं वरहत्य) के मद पर अपर्याप्त बजट एवं टूट फुट की वजह से सेवा सुपुर्दगी में चूक होते है और निवेश का अकुशल इस्तेमाल होता है।

समाधान

जल एवं स्वच्छता के लिए आवश्यक कोष का आकलन राशियों के आवंटन, खर्च एवं इस्तेमाल की पर्वित्तियों को समझने में सहायता प्रदान करते हैं।साथ ही, इससे निधियों की प्रयप्ता एवं उनके कुशल इस्तेमाल की परख करने में मदद मिलती है।इसके पीछे मंशा यह है कि राज्य एवं जिला स्तर के लाइन विभागों की सहायता की का सके ताकि कोष के लिए बजट निर्माण एवं नियोजन किया सके।

पिछले तीन वर्षों **(2015-2016, 2016-2017, 2017-2018)** के वित्तीय आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा जिनके आयाम इस प्रकार होंगे –

आवंटित कोष। निर्गत। खर्च की गई राशि। खर्च की प्रकृति

akvo.org
Wetlands INTERNATIONAL
WaterAid
GRAM-UTTHAN "we for others"
nidan
CBGA
PGVS
RCDC

अधिक जानकारी के लिये देख कें: **bit.ly/CSS-LCA**